Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

यूपी बोर्ड परीक्षा मॉडल प्रश्नपत्र

विषय - हिन्दी

कक्षा- 10 (केवल प्रश्नपत्र)

समय: 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

नोट : (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है—खण्ड - अ एवं खण्ड ब। हैं।

(iii) खण्ड-अ में 20 अंक के बहुविकल्पीय प्रश्न दिए गए

(iv) खण्ड-ब में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित

खण्ड-अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

निर्देश: सही उत्तर - विकल्प चुनकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल मिर्जापुर के स्कूल में थे-

(i) चित्रकला के अध्यापक

(ii) संगीत के अध्यापक

(iii) गणित के अध्यापक

(iv) हिन्दी के अध्यापक ।

2. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए-

(i) डॉ० रामविलास शर्मा जाने-माने आलोचक हैं।

(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी प्रसिद्ध नाटककार हैं।

(iii) 'भारतीय संस्कृति' के लेखक डॉ० रामधारीसिंह 'दिनकर' हैं।

(iv) 'चिन्तामणि' निबन्ध के लेखक वियोगी हरि हैं।

3. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए-

(i) 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के सम्पादक मुंशी प्रेमचन्द थे।

(ii) 'तितली' कहानी विधा की रचना है।

(iii) महावीरप्रसाद द्विवेदी 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक थे।

(iv) 'ममता' उपन्यास विधा की रचना है।

4. 'त्यागपत्र' के लेखक का नाम है-

(i) जैनेन्द्र कुमार

(ii) मुंशी प्रेमचन्द

(iii) जयशंकरप्रसाद

(iv) अमृतलाल नागर।

5. निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए-

(i) रामचन्द्र शुक्ल महान् कवि के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ii) 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक रामधारीसिंह 'दिनकर' हैं।

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र रीतिकाल के रचनाकार हैं।

(iv) 'स्कन्दगुप्त' धर्मवीर भारती की रचना है।

6. 'तारसप्तक' काव्य के सम्पादक हैं-

(i) विद्यानिवास मिश्र

(ii) मुक्तिबोध

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

7. 'देखी बिपुल बिकल वैदेही' में कौन-सा छन्द है-

(i) दोहा

(ii) सोरठा

(iii) चौपाई

(iv) कुण्डलिया।

8. पन्तजी को किस रचना पर भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ—

(i) लोकायतन पर

(ii) युगवाणी पर

(iii) चिदम्बरा पर

(iv) अतिमा पर।

9. 'बच्चा' शब्द के 'पन' प्रत्यय जोड़ने पर शब्द बनेगा- (i) बचपन

(ii) बच्चापन

(iii) बालपन

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(iv) बचापन।

10. 'अध्यादेश' में उपसर्ग है-

(i) अ

(ii) अधि

(iii) अध

(iv) देश।

11. निम्नलिखित में करुण रस का उदाहरण है-

(i) ब्रज में बिरही लोग दुखारे।

(ii) उद्धारक चाहें तो आवें। यहीं रहे यह चेरी।

(iii) बाने फहराने घहराने घंटा गजन के।

(iv) राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट।

12.'वन शारदी चंद्रिका चादर ओढ़े।' – पंक्ति में अलंकार है-

(i) यमक

(ii) रूपक

(iii) उपमा

(iv) अनुप्रास।

13. 'चँवर सदृश डोल रहे सरसों के सर अनंत।'— पंक्ति में वाचक शब्द है-

(i) चँवर

(ii) सदृश

(iii) सरसों

(iv) सर अनंत।

14. मानहुँ बिधि तन-अच्छ छबि, स्वच्छ राखिबै काज।

दृग-पग पौंछन कौं करे, भूषन पायन्दाज।

-उपर्युक्त पंक्तियों में उत्प्रेक्षा का वाचक शब्द है-

(i) तन-अच्छ

(ii) पौंछन कौं

(iii) मानहुँ

(iv) भूषन।

15. सुनत सुमंगल बैन, मन सनपुलक भर।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

सरद सरोरुह नैन, तुलसी भरे सनेह जल ||

-इसमें छन्द है—

(i) दोहा

(ii) रोला

(iii) बरवै

(iv) सोरठा ।

16. पठ् धातु, लट्, प्रथम पुरुष, द्विवचन का रूप है-

(i) पठताम्

(ii) पठतः

(iii) पठ

(iv) पठथः ।

17. विधिलिङ, उत्तम पुरुष, एकवचन का रूप है-

(i) हसेयुः

(ii) हसतु

(iii) हसेः

(iv) हसेयम् ।

18. 'मतौ' में है-

(i) द्वितीया, द्विवचन

(ii) प्रथमा, द्विवचन

(iii) चतुर्थी, एकवचन

(iv) सप्तमी, एकवचन ।

19. षष्ठी, एकवचन में मति का रूप होगा-

(i) मत्याम्

(ii) मत्याः

(iii) मतीनाम्

(iv) मत्योः ।

20. 'मतेः' में विभक्ति और वचन है-

(i) द्वितीया, द्विवचन

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(ii) चतुर्थी, एकवचन

(iii) पञ्चमी, एकवचन

(iv) मतये ।

खण्ड-ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

मित्र का कर्तव्य इस प्रकार बताया गया है— 'उच्च और महान कार्यों में इस प्रकार सहायता देना, मन बढ़ाना और साहस दिलाना कि तुम अपनी निज की सामर्थ्य से बाहर काम कर जाओ।' यह कर्तव्य उसी से पूरा होगा, जो दृढ़ - चित्त और सत्य - संकल्प , का हो। इससे हमें ऐसे ही मित्रों की खोज में रहना चाहिए, जिनमें हमसे अधिक आत्मबल हो। हमें उनका पल्ला उसी तरह पकड़ना चाहिए, जिस तरह सुग्रीव ने राम का पल्ला पकड़ा था। मित्र हों तो प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय के हों, मृदुल और पुरुषार्थी हों, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों, जिससे हम अपने को उनके भरोसे पर छोड़ सकें और यह विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा।

प्रश्न : (क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) मित्र का क्या कर्तव्य होना चाहिए?

अथवा

"हे भगवान् ! तब के लिए! विपद के लिए! इतना आयोजन ! परमपिता की इच्छा के विरुद्ध इतना साहस ! पिताजी, क्या भीख न मिलेगी? क्या कोई हिन्दू भू-पृष्ठ पर न बचा रह जायगा, जो ब्राह्मण को दो मुट्ठी अन्न दे सके ? यह असम्भव है। फेर दीजिए पिताजी, मैं काँप रही हूँ — इसकी चमक आँखों को अन्धा बना रही है।"

(क) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) 'विपद के लिए! इतना आयोजन!' यहाँ 'इतना आयोजन' के द्वारा किस आयोजन की बात की गई है?

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक

परआधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

निरगुन कौन देस कौ बासी ?

मधुकर कहि समुझाइ सौंह दै, बूझतिं साँच न हाँसी ॥

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

को है जनक, कौन है जननी, कौन नारि, को दासी?

कैसो बरन, भेष है कैसो, किहिं रस में अभिलाषी ?

पावैगो पुनि कियौ आपनौ, जो रे करैगौ गाँसी ।

सुनत मौन वै रह्यौ बाबरौ, सूर सबै मति नासी ॥

(क) मधुकर किसे कहा गया है? उसे किस बात की सौगन्ध खिलाई जा रही है?

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(ग) प्रस्तुत पद में मुख्य रूप से किस अलंकार का प्रयोग हुआ है?

अथवा

रानी मैं जानी अजानी महा, पबि पाहन हूँ ते कठोर हियो है।

राजहु काज अकाज न जान्यो, कह्यो तिय को जिन कान कियो है ॥

ऐसी मनोहर मूरति ये, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियो है ? ।

आँखिन में, सखि ! राखिबे जोंग, इन्हें किमि के बनवास दियो है ? ॥

(क) ग्रामीण स्त्री का कैकेयी के विषय में क्या दृष्टिकोण है ?

(ख) राजा दशरथ के विषय में ग्रामीण स्त्री का क्या कहना है?

(ग) रेखांकित काव्यांश की व्याख्या कीजिए ।

3. निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का दीजिए और उसकी दो प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए-

(i) जयशंकर प्रसाद,

(ii) आयार्च रामचन्द्र शुक्ल

(iii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद ।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी दो प्रमुख कृतियों के नाम लिखिए-

(i) सूरदास,

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) गोस्वामी तुलसीदास ।

4. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(क) इयं नगरी विविधधर्माणां सङ्गमस्थली | महात्मा बुद्धः, तीर्थङ्करः पार्श्वनाथः, शङ्कराचार्यः, कबीरः, गोस्वामी तुलसीदासः अन्ये च बहवः महात्मानः अत्रागत्य स्वीयान् विचारान् प्रासारयन्। न केवलं दर्शने, साहित्ये, धर्मे, अपितु कलाक्षेत्रेऽपि इयं नगरी विविधानां कलानां, शिल्पानाञ्च कृते लोके विश्रुता । अत्रत्याः कौशेयशाटिका : देशे देशे सर्वत्र स्पृहयन्ते । अत्रत्याः प्रस्तरमूर्तयः प्रथिताः । इयं निजां प्राचीनपरम्पराम् इदानीमपि परिपालयति ।

(ख) " विश्वस्य स्रष्टा ईश्वर एक एव इति भारतीयसंस्कृतेः मूलम् । विभिन्नमतावलम्बिनः विविधैः नामभि एकम् एव ईश्वरं भजन्ते । अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, बुद्धः, ख्रिस्तः, अल्लाहः इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति । तम् एव ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यन्ते । अतः सर्वेषां मतानां समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः ।

5. निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक का सन्दर्भसहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए -

(क) बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः ।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता ॥

(ख) हतो प्राप्स्यसि स्वर्गं जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम् ।
निराशीनिर्मयो भूत्वा युध्यस्व विगतज्वरः ॥

6. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो।

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(क) कुत्र मरणं मङ्गलं भवति ?

(ख) वीरः केन पूज्यते?

(ग) पुरुराजः केन सह युद्धम् अकरोत् ?

(घ) पुरुराजः गीतायाः कं सन्देशम् अकथयत्?

8. अपने पठित' खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए-

(क) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर कलिंग युद्ध का वर्णन कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ख) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'पृथ्वीराज द्वारा दी गई युद्ध की प्रेरणा' का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ग) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर किसी प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गांधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

Gyansindhu Coaching Classes YouTube Channel Hindi & Sanskrit By : - Arunesh Sir Please Visit : www.gyansindhuclasses.com (Like, Share & Subscribe) : www.gyansindhuclasses.com Visit For All PDF Files Download Free

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर शिशुपाल का चरित्रांकन कीजिए |

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रस्थान सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की दानशीलता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के किसी स्त्री पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'राम- भरत' मिलन की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आजाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ज) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण का चरित्रांकन कीजिए |

(झ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए|.

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए-

(क) भ्रष्टाचार की समस्या

(ख) वृक्षारोपण का महत्त्व

(ग) बढ़े बेटियाँ पढ़े बेटियाँ

(घ) देश - प्रेम